ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 | अंक- 24 | मार्च-II-2018 | (पाक्षिक) | माउण्ट आबू | Rs. 10.00

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन

गॉड्स प्लान : राजयोग फॉर वर्ल्ड पीस, हेल्थ एंड हैप्पीनेस

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन परिसर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जब विदेश से आयीं जानी-मानी हस्तियों ने भारत की आध्यात्मिक संस्कृति का गुणगान किया तो डॉयमंड हॉल तालियों से गूंज उठा। विदेशी अतिथियों ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की सराहना करते हुए इसे विश्व बंधुत्व और शांतिदूत बताया। **इस दौरान नाइजीरिया से भारत पहली बार आईं वैज्ञानिक डॉ. वायोला निकोलस ने हिंदी में गीत 'जैसा सोचोगे तुम, वैसा बन जाओगे, जैसा कर्म होगा, वैसा फल पाओगे...' गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।**

दायें से मुख्य प्रशासिका दादी जानकी सम्बोधित करते हुए। साथ में संस्था के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर, न्यायाधीश एस. विमला, कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय, श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर ओम राधे-राधे बाबा तथा लोकसभा टी.वी. के सी.ई.ओ. और चीफ एडिटर डॉ. आशीष जोशी दिखाई दे रहे हैं।

मध्य प्रदेश इंदौर से आये राज्य मठ-मंदिर सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर ओम राधे-राधे बाबा ने कहा कि भारत को प्रेम, अध्यात्म के साथ विश्वगुरू के शिखर पर ले जाने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ के महाकुंभ से किया जा रहा है। इस महाकुंभ से लोगों के विचार श्रेष्ठ बनाने, संस्कारों को बदलने और जीवन चरित्र को ऊंचा बनाने का अभियान चलाया जा रहा है जो अति प्रशंसनीय और अनुकरणीय है।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि परमात्म ज्ञान को अंगीकृत करने से ही मन में वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना जागृत होगी।

संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने सभी प्रतिभागियों को संकल्प कराया कि आज से किसी भी परिस्थिति में गुस्सा नहीं करेंगे। सभी ने ये संकल्प किया। कार्यकारी सचिव एवं कार्यक्रम संयोजक ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि शांति चर्चा का नहीं अनुभव का विषय है। जो कि आप यहाँ से अवश्य ही करके जायेंगे। मधुरवाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागतम् शुभस्वागतम् हैप्पी वेलकम् गीत गाकर सभी का स्वागत किया। संचालन कर्नाटक हुबली से आईं ब्र.कु. वीणा ने किया।

▸ अपने विचार व्यक्त किये...

यहाँ जो सुख और शांति मिली, वो और कहीं नहीं... सर्गेई अवदीव

महासम्मेलन में रशिया से आए रूसी महासंघ के पायलट अंतरिक्ष यात्री सर्गेई अवदीव ने अपने उद्बोधन में जमकर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक ज्ञान की सराहना करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा सिखाए जा रहे राजयोग से मन को जो सुकून, शांति और खुशी मिलती है, वह और कहीं नहीं है।

दुर्लभ प्रतिभाओं को तराश रहा यह संस्थान:

लोकसभा टीवी के सी.ई.ओ. व चीफ एडिटर डॉ. आशीष जोशी ने कहा कि यह विश्व का एकमात्र ऐसा संगठन है जिसकी बागडोर महिलाओं के हाथों में है। यही वजह है कि ब्रह्माकुमारीज़ मानव के अंदर छुपी दुर्लभ प्रतिभाओं को तराशने का कार्य सफलतापूर्वक कर रहा है। यहां से ईश्वरीय योजना चलाई जा रही है। जिसका उद्देश्य प्रत्येक मनुष्य मात्र को राजयोग द्वारा देवत्व प्रदान कर विश्व में सुख शांति स्थापित करना है।

शुद्ध भावना होने पर ही जुड़ सकेंगे भगवान से

यू.एस.ए. वाशिंगटन डी.सी. में ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु.जेना ने कहा कि हमारे अंदर हृदय, विचारों और भावनाओं की पवित्रता कैसे हो, यह सब सीखने के लिए ही हम यहाँ आते हैं। जब तक हमारी शुद्ध भावना नहीं होगी, तब तक हम भगवान से नहीं जुड़ सकते हैं। तब तक हम दूसरों के प्रति कल्याण की भावना और शुभभावना नहीं रख पायेंगे।

अपना जीवन दर्शनीय बनाएं: शिवानी

मोटिवेशनल स्पीकर एवं जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि जैसे एक माता-पिता अपने बच्चों के करियर का प्लान बनाते हैं, वैसे ही हम सब आत्माओं के परमपिता परमात्मा ने हमारा प्लान बनाया है। परमात्मा हमें देवता बनाने आए हैं। जब संसार में माता-पिता का अपने बच्चे के लिए बनाया गया प्लान पूरा हो जाता है, तो फिर भगवान का प्लान तो पूरा होना ही है। थोड़ा शांति से बैठकर बाह्यता से दूर होकर अपने आप से पूछें कि क्या मैं सारी दुनिया के बीच रहते देवता बनने के लिए तैयार हूँ? आज तक हम सुनते थे कि नर ऐसी करनी करे जो नारायण बने। पर यहाँ नर से नारायण और नारी से लक्ष्मी बनाने का कार्य स्वयं परमात्मा कर रहे हैं। हम वो नर-नारी हैं जिसे स्वयं परमात्मा ने सिलेक्ट किया है। परमात्मा हमें शिक्षा देकर नारायण और लक्ष्मी बना रहे हैं। परमात्मा कहते हैं अब मुझसे सम्बन्ध जोड़ो और अपने जीवन को सात्विक बनाओ, इसके साथ इसमें वे सहयोग भी कर रहे हैं। आज सभी संकल्प लें कि हम अपना जीवन मंदिर में विराजित देवी-देवता जैसे उच्च और दर्शनीय बनाएंगे। स्वयं में ऐसे दैवीगुण धारण करें जो देखते ही लोग कहें कि ये तो जैसे देवता हैं।

जीवन को सच्चाई सफाई से जियें : दादी

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि जीवन को सदा सच्चाई और सफाई के साथ जियें तथा परमात्मा से प्यार व खुशी को प्राप्त करें। ये समय व्यर्थ की बातों में गंवाने का नहीं, बल्कि परमात्मा द्वारा हो रही सतयुग की स्थापना में अपने अच्छाइयों के साथ सहयोग करने का है।

हृदय की शुद्धता ही यहाँ की सुंदरता

तमिलनाडू मदुरई हाईकोर्ट की न्यायाधीश एस. विमला ने कहा कि भगवान सब जगह नहीं हो सकते हैं इसलिए उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान को बनाया। हृदय और मन की शुद्धता ही ब्रह्माकुमारीज़ की सुंदरता है। राजयोग से हमें शांति और खुशी मिलती है। ये कॉन्फ्रेन्स हमें संदेश यही संदेश देता है कि हम अच्छी चीज़ों और अच्छी बातों को फॉलो करके खुश रह सकते हैं। हमें भगवान से जो आध्यात्मिक ऊर्जा चाहिए वह सब हमें मिलती है, लेकिन हम बाहर की तरफ भागते हैं। भगवान के जरिए हमें राजयोग का जो संदेश मिला है उसे जीवन में धारण कर प्रचार-प्रसार करना चाहिए।

चाइना के 30 शहरों में फैला राजयोग

चाइना में ब्रह्माकुमारीज़ की डायरेक्टर डेइंग चेन ने कहा कि चाइना के 30 शहरों में आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग की शिक्षा दी जा रही है। इस ज्ञान से व्यक्ति का जीवन पूरी तरह बदल जाता है और वह नई ज़िंदगी की ओर आगे बढ़ता है।

संस्कार बदलने से बदलेगा संसार

यू.एस.ए.न्यूयॉर्क में ब्रह्माकुमारीज़ पीस विलेज की डायरेक्टर डॉ. कला लेंगर ने कहा कि जब तक हम अपने संस्कार नहीं बदलेंगे, तब तक हम अपना संसार नहीं बदल सकते हैं। उन्होंने अपने जीवन का अनुभव बताते हुए कहा कि इस संस्था से जुड़ने के बाद मेरा नज़रिया पूरी तरह से सकारात्मक हो गया। इसलिए मुझे लगता है कि इस दिव्य ज्ञान की आज सभी को बहुत आवश्यकता है।

पहले खुद को पहचानें

जर्मनी में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका ब्र.कु. सुदेश ने कहा कि जब तक हम खुद को नहीं पहचानेंगे तब तक खुदा को नहीं पहचान सकते। खुद में झाँकने से ही विशेषताओं का ज्ञान होता, हम विशेष कार्य करने योग्य बनते व श्रेष्ठ कार्य करने का बल प्राप्त होता है।